**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द)** : (क) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने 1.4.92 की यथास्थिति को मध्य प्रदेश में पडने वाले विंध्य, सतपुडा और दक्षिणी रीवा बेसिन में भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराया है। तेल और प्राकृतिक गैस होने का अब तक कोई पता नही चला है।

(ख) जी हां।

(ग) दक्षिणी रीवा बेसिन के पहाडी इलाकों में भू-वैज्ञानिक भूकंपीय सर्वेक्षणों की योजना बनाई जाती है, जो सरगुजा और उसके निकटस्थ जिलों के भागों को कवर करती है।

**Output of natural gas and its utilisation**

677. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of PETROLEUM & NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the cumulative output/actual utilisation of gas during the Seventh Five Year Plan and that during the current Five Year Plan period; and

(b) how it is being utilised and by when the flaring of gas is likely to be completely eliminated?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) During the Seventh Plan period, the production of natural gas was approximately 60 billion cubic metres of which approximately 40 billion cu. meters was utilised. In the Eighth Plan period, it is estimated that approximately 130 billion cu. metres of gas would be produced of which approximately 116 billion cu. metres would be utilised.

(b) The gas is being utilised by down-stream users for manufacture of LPG and internal use. Gas flaring is expected to be reduced to technical levels by 1995 in the Western off-shore region, by 1996 in Gujarat region and by 1994 in the Southern Region. In the Eastern region it is dependent on the setting up of units to whom gas has been allotted and the offtake of gas by consumers.

678. [*Transferred to the 23rd July, 1992*].

**कांगड़ा में तेल और प्राकृतिक गस आयोग द्वारा सर्वेक्षण**

679. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश में कांगडा जिले के ज्वालामुखी क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों के दौरान तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा किये जा रहे सर्वेक्षण कार्य की अद्यतन स्थिति क्या है;

(ख) अब तक किये गये सर्वेक्षण कार्य के क्या परिणाम निकले हैं;

(ग) अब तक इस कार्य पर कितनी धनराशि व्यय की गयी है; और

(घ) यह सर्वेक्षण कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है?

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द)** : (क) से (घ) 1982–83 फिल्ड सीजन के बाद इस क्षेत्र में कोई सर्वेक्षण कार्य नहीं किया गया है। तथापि वर्ष 1982–83 से पूर्व हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के ज्वालामुखी क्षेत्र और इसके आसपास 14 जी एल के भू-कंपीय परावर्तन सर्वेक्षण 723 जी एल के भूकंपीय अपवर्तन सर्वेक्षण 642.33 एस एल के भूकंपीय परावर्तन सर्वेक्षण किए गए। इन सर्वेक्षणो के आधार पर कोई वाणिजिक हाइड्रोकार्बन प्राप्त हुए बिना 7 अन्वेषी गहरे कुएं और 5 संरचनात्मक कूप खोदे गए हैं। चन्गरतलाई में एक कूप की ड्रिलिंग की जा रही है। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों पर 4.82 करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई है।